

ललितलवंगलतापीरमिलनकामलमलयमभिषेकः ॥ १ ॥ धुरंगि
 कारकरोम्बितकोकिलकुंजितकुंजकुतरे ॥ २ ॥ विहरती हरि शरममवसन्तः ॥ ३ ॥
 युवतिजननेनयमंगलविहरिजनं मधुरना ॥ ४ ॥ उभयमन्दनमगारभाषधिकेव
 धुजनाभितविलापिवाञ्छलीकुलसंकुलकुसुमममार्गं शकुलवकुल ॥ ५ ॥
 वगमदसौरभः रसवसंस्तदन्तदलमालातमाला ॥ ६ ॥ पुञ्जगददयवदारागमनम
 नः तपसविनिर्गुणजाते ॥ ७ ॥ सदनमाहपतिरुगकदन्तं रुचिकसखुसुमदिकामे
 ॥ मिलितमार्गमुखपारलोपदलकनम्भारतरुपविकस्य ॥ ८ ॥ विमलीतरेजितजगद
 ललोकनतमृगाककयाकताहसे ॥ ९ ॥ विरहिनीकननकमृखाकृतिवेताकिदेहुरिताय
 ॥ माधाविकापीरमलललीनेनवगाथिककातिगुणंधो ॥ १० ॥ सुषामनेरुप
 नकारिणितातृणाकारणबंधा ॥ ११ ॥ स्फुल्लदतिगुल्लतापीररंभाजना
 मुकलितफुल्लकतपुते ॥ १२ ॥ वेदाधवविपिनेपीरपरिणतजमनाजलपुते ॥ १३ ॥
 नसमयपतनुगुणमदतविकार ॥ १४ ॥ भीमदेवभनितविमुदपीरहरिचरतमनिसार
 ॥ १५ ॥

चंदन

आभ्यासकथि
 2785

ललितलवंगलतापीरमिलनकामलमलयमभिषेकः ॥ १ ॥ धुरंगि
 कारकरोम्बितकोकिलकुंजितकुंजकुतरे ॥ २ ॥ विहरती हरि शरममवसन्तः ॥ ३ ॥
 युवतिजननेनयमंगलविहरिजनं मधुरना ॥ ४ ॥ उभयमन्दनमगारभाषधिकेव
 धुजनाभितविलापिवाञ्छलीकुलसंकुलकुसुमममार्गं शकुलवकुल ॥ ५ ॥
 वगमदसौरभः रसवसंस्तदन्तदलमालातमाला ॥ ६ ॥ पुञ्जगददयवदारागमनम
 नः तपसविनिर्गुणजाते ॥ ७ ॥ सदनमाहपतिरुगकदन्तं रुचिकसखुसुमदिकामे
 ॥ मिलितमार्गमुखपारलोपदलकनम्भारतरुपविकस्य ॥ ८ ॥ विमलीतरेजितजगद
 ललोकनतमृगाककयाकताहसे ॥ ९ ॥ विरहिनीकननकमृखाकृतिवेताकिदेहुरिताय
 ॥ माधाविकापीरमलललीनेनवगाथिककातिगुणंधो ॥ १० ॥ सुषामनेरुप
 नकारिणितातृणाकारणबंधा ॥ ११ ॥ स्फुल्लदतिगुल्लतापीररंभाजना
 मुकलितफुल्लकतपुते ॥ १२ ॥ वेदाधवविपिनेपीरपरिणतजमनाजलपुते ॥ १३ ॥
 नसमयपतनुगुणमदतविकार ॥ १४ ॥ भीमदेवभनितविमुदपीरहरिचरतमनिसार
 ॥ १५ ॥

॥ ललीत ॥ संचलदधरसुधामधुरंध्वनि मुखालितमोहनवंसं ॥ बलितदगं
 चलचंचलमोलिकपोलविलोलवतंसं ॥ १ ॥ रास्यहरिरिह विहितविगम्यस्मर
 तिमनोममकृतपरिहासं ॥ २ ॥ चरकचारुमपुरमिरवण्डकमण्डलवलयितकेमं
 ॥ प्रचुरपरंदरधनुरनुरजीतमैदुरमुदितमुवैसं ॥ ३ ॥ गोवकदस्वगितंभवतिमुख
 कुम्भनरंस्वितलोभं ॥ वंधुजिवंसधुराधरपधनव कलितदरस्मितमोभं ॥ ४ ॥ विपुलपुल
 कमुजपद्मवचधनववलयितजुषितमदभं ॥ कारचरोरमिमनिगनभूषनकिरणावि
 भीततमिभं ॥ ५ ॥ जरेणयदुतलवत्तदिविविदकचंदनिलकललातं ॥ पितपयोध
 रपरिसरमर्दननर्दयहृदयकपातं ॥ ६ ॥ मनिमयमकरमनोहारकंराडलमभितगंधामु
 दारं ॥ पितवसनमनुगतमुतिसनुजसण्णवारपरिवार ॥ ७ ॥ विमदकदस्वतलेमिलित
 पत्नीकरुवभयसमयते ॥ मामपिकिम्पितरुमनकुदशमनसारमयते ॥ ८ ॥ श्रीज
 गुरवभगितमोतिमुखमोहनमधुरिपुरुषं ॥ हरिहरासासासाभुतिसंपीतपुंयवतामलपं ॥ ९ ॥
 दि ॥ ५ ॥

॥ ललीत ॥ संचलदधरसुधामधुरंध्वनि मुखालितमोहनवंसं ॥ बलितदगं
 चलचंचलमोलिकपोलविलोलवतंसं ॥ १ ॥ रास्यहरिरिह विहितविगम्यस्मर
 तिमनोममकृतपरिहासं ॥ २ ॥ चरकचारुमपुरमिरवण्डकमण्डलवलयितकेमं
 ॥ प्रचुरपरंदरधनुरनुरजीतमैदुरमुदितमुवैसं ॥ ३ ॥ गोवकदस्वगितंभवतिमुख
 कुम्भनरंस्वितलोभं ॥ वंधुजिवंसधुराधरपधनव कलितदरस्मितमोभं ॥ ४ ॥ विपुलपुल
 कमुजपद्मवचधनववलयितजुषितमदभं ॥ कारचरोरमिमनिगनभूषनकिरणावि
 भीततमिभं ॥ ५ ॥ जरेणयदुतलवत्तदिविविदकचंदनिलकललातं ॥ पितपयोध
 रपरिसरमर्दननर्दयहृदयकपातं ॥ ६ ॥ मनिमयमकरमनोहारकंराडलमभितगंधामु
 दारं ॥ पितवसनमनुगतमुतिसनुजसण्णवारपरिवार ॥ ७ ॥ विमदकदस्वतलेमिलित
 पत्नीकरुवभयसमयते ॥ मामपिकिम्पितरुमनकुदशमनसारमयते ॥ ८ ॥ श्रीज
 गुरवभगितमोतिमुखमोहनमधुरिपुरुषं ॥ हरिहरासासासाभुतिसंपीतपुंयवतामलपं ॥ ९ ॥
 दि ॥ ५ ॥

काथितमशितनोकुसुमीतं
 यरनरशितमशितपुरयापरी

॥ गसि हाम्पा ॥ ॥ गयजय वपरिमथनी संकट तारनी ॥ कप्र सादो वाचो म विद्या क
 मिमाकोम जो गिनिग मुन का प्रहं ॥ ॥ पावन हल अत्र भैरव सहित न अने गवाजन था ना प्र ॥ ॥ ॥
 लान मलिक लया वरु दे गुलिया हस मकुं डल मो विद्या ॥ ॥ को वया हा लव नति मे नार दे गुलिन ने
 मे गल स मोल मोला को वाया ॥ ॥ २ ॥ ॥ उच्चरि मि र सवे ड डु गु ना या प्र दे ह पी आ क हं ॥ ॥ हि
 ला या स वरु न थो या प्र वि भुवन ता या प्र दे ल मु र्पा क हं ॥ ॥ ३ ॥ ॥ भगवत न य मति नाम दि भ ग
 वति र ग म न य जि तं वि व हं ॥ ॥ नि प री वाल य या मा म दि न य त या दि पा लि भ न ले प वि ह ने ॥ ॥ ४ ॥
 र म र म वि जय ॥ ॥ सं स ल या ग ति म ति नाम दि वा ग म ति भु मि गु मे धु मु ह न ह्या क ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ह र या
 पु ग न लो क पर व त न को वा क ॥ ॥ निर् म ल फ रि लो ह स हा क ॥ ॥ ॥ गंगा या ते ज न लि क लो क न
 हा न या क ॥ ॥ १ ॥ ॥ गु न ह्मा क प्र न क भा म क ॥ ॥ २ ॥ ॥ मो व क पा म द को म री र प वि न या क ॥ ॥ हि र य म
 ज न या क पे म स द ला क सं सार ॥ ॥ ३ ॥

॥ गज सा वरि ॥ ॥ ॥ ई र्व रि अ ना थ या वि न जि जी ने वो ॥ ॥ ५ ॥ ॥ का म या र म म ह्नु ध र म क र
 म फ ल मो ह स जी त ल दु फि ना प्र ॥ ॥ क लि या का र ने त ल पा प स तु म न त ल वे र थ जि ज न न गु या
 ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ अ प त प या य ग न प र या ध न म म न लो म न न गु या तो ल ता प्र ॥ ॥ ७ ॥ ॥ अ धि क म ति
 म न ला य म प्र दि च र न ह्मा द य ते ल जि य ना प्र ॥ ॥ ८ ॥ ॥ म ग त ग न या भि न या ह ने ज न नि दि र
 म नार थ पू र न या प्र ॥ ॥ मा दि गु र्व व ह्ना ना अ ति गु म ल या घा ल दु र्व द को पु र न कि र्व या प्र ह
 ॥ ३ ॥ ॥ ई र्व रि अ ना थ या वि न जि जी ने ना ॥ ॥

राग मोर थः ॥ ॥ जि
 यम हात मो व स थि गु रो म भूत मु ना व ॥ ॥ १ ॥ ॥ ग्हा ल ह्म स या हा त ह्म न न ड न व स व द ने ना व ॥
 मो ह न स थि जी जि व ॥ ॥ २ ॥ ॥ म थु स म ह र म गु ख या धा स व क्क मा ल प म पु थो ग न ना

राग वसंत ॥ ॥ विषय ॥ ॥ धालपिरतितयमाल-हेहेमाधव ॥ ॥ सिरसमयकल-वसंत
लेकोवाराव-मथु-गोसा-विष्णु-कृत-ताया ॥ केसरियारंगजाक-श्रीखंडनस्वाकी-मदो-ना-पुष्प-जीके
माया-पारतितयमाल-हेहेमाधव ॥ १ ॥ वनवनहिलानुया-कथनकत्रमचाया-मालपेमननमफपा ॥
वसुरियासलताया-फयाथेनेगात्रुया-छायछानमिनेहमतया-पार ॥ २ ॥ नकजात्रजोभन-सलने
नकोकिलया-थथिनवेलमजीववाया ॥ अनाथनहसेतपा-रिजुजलबसेतया-विनतिनेहनेजीछरा
या-पार ॥ ३ ॥ लकलश्री-क-भजुगोपनित्र-संगया-छायछानजिपनित्रा-ता ॥ तनमनदिवरनवित
जितवारंवार-अवरातिमियछानमाल-पारतितयमाल-हेहेमाधव ॥ ४ ॥

राग वसंत ॥ ॥ हेहेक-भजु-छ-हनेजिजमुताया-पार-वी-नी-ने-ने-माल ॥ ॥ मनयाहतामनत्रया-थन
कास्जग-पनेमतेविवनिवार ॥ छोजकनोलती-हथयाय-मतेजि-क-यमानि-थनवारंवार-वी-नी-ते ॥ १ ॥
सहया-घात-म-अनेग-व-इ-ल-स-ला-जन-मन-स-म-छा-ला ॥ मतेमन-अबला-व-ल-व-चा-स-गा-सा-ला-व-लु-ल
जुल-म-भिन-उ-माल-वी-नी-ति ॥ २ ॥ परयातिरिया-धन-यु-मन-के-प्र-न-दि-न-दि-न-थु-ग-लि-व-हा-र ॥ सा-ज-ल
ना-था-म-मे-व-म-दु-अ-व-सर-अ-न-या-य-नि-ल-म-ध-आ-वी-नी-ति ॥ ३ ॥ भा-स्कर-म-ध-न-ह-से-त-या-मु-व-च-न
त-व-मे-त-ग-मा-न-वि-का-र ॥ र-स-या-व-म-स-म-ज-मे-चो-न-म-म-य-स-व-स-या-व-र-त-न-गो-पा-ल-वी-नी-ति ॥ ४ ॥

राग अश्रुति ॥ ॥ मरगोमात्मममदुरवनासंभजे-य-कल-द-रि-दु-र-गो-पि-ना-थं-भजे ॥

नीलमनिदे-ल-सिर-कि-रि-व-न-क-र-क-र-कु-ग-ड-ल-ह-द-य-श्री-व-ल-वि-द-न ॥ १ ॥

को-स्तु-भ-नु-ता-सि-व-ग-म-ल-म-ल-गो-भि-तं-ल-य-क-म-ल-ग-रा-व-क-ध-आ-रं ॥ ची-त-यें-वा-ध-रं-पं

प्र-ता-व-ग-ही-को-रि-क-द-र्ष-म-च-म-रूपं ॥ गु-ग-ल-त-व-च-र-त-प-र-ध-आ-त-म-म-थी-र-क-र

स-क-ल-प्र-प-र-ध-ध-म-क-रि-य-ना-थ-भ-जे ॥ ३ ॥ रा-म-ग-ग-ना-य-कं-कि-क-मां-वें-दि-त-वे-द-कु-ध-मै

न-वै-श-य-म-ह-म-ग-भ-न-स-व-पा-ल-क-र-पा-प-स-व-मो-च-ने-क-भ-ग-रा-वि-र-चि-तं-र-कु-के-तुं-न-मो-न ॥ ४ ॥

राग अश्रुति ॥ ॥ धन्दे-ज-न-ति-क-लि-क-ानु-म-हि-सै-ल-वा-लि-का ॥ धन् ॥ स-क-ल-ला-क-पा-लि-का-पा-प-मि-का-
कर-मालिका-धन्दे ॥ सि-ह-पर-म-वा-रि-का-क-लि-स-हि-त-न-ग-र-का ॥ मु-भ-प्रा-न-ह-रि-का-वं-दे-ध-द-रा-
ब-न-को-मि-का ॥ धन्दे ॥ सी-म-न-क-ध-रि-का-उ-म-मु-द्र-म-लि-मु-भ-प्रा-न-ह-रि-का-व-र-र-का-के-मि-
का ॥ ३ ॥ क-र-त-म-ध-ध-ज-का-ध-आ-ने-रि-व-र-रा-का-स्व-रूप-पां-वै-ल-का ॥ ह-द-य-जा-न-दा-र-का-मि-ध-र-
रा-म-वा-न-दा-रि-का-अ-ष्ट-का-नि-पू-र-का-अ-क-प-ले-का-रि-का-पु-र-मा-स-दी-न-का ॥ ४ ॥

राग अश्रुति ॥ ॥ कं-क-लि-द-शि-ग-क-लि-अ-मि-क-स-ल-क-लि ॥ क-र-व-र-सि-र-वि-अ-पा-न-अं

ना-त्रो-र-शूल-ध-र-त-म-मु-द्र-म-ल-र-ध-रि-पी-व-न-घ-र-घ-र-पी-त्रो ॥ १ ॥ क-का ॥

करकटकरहसि ॥

छाईरह्यामोला नद्धा जंगल मे ॥ १॥ पानमुपारि शिव मन नहि माते ॥ १॥ धुपरे कुं फलका ॥ १॥
यायामलमल मन नहि माते ॥ २॥ प्रधेवधं वरछाला ॥ २॥ राजिपुर किशिव मन नहि माते ॥ ३॥ पुढावयल
मनलगा ॥ २॥ ३॥ पुकुरा उपतन मन नहि माते ॥ चितामसं मनलगा ॥ ४॥ लालमोटे शिव मन नहि
माते ॥ गलविच लेवनाग ॥ ५॥
बलो हो जनक पुत्र जो उमविधा ॥ ॥ ॥ मुहो गोवर अगन सिपाई ॥ गजमोति चौक पुगई ॥ १॥
लाल मुना के वस्त्र गडा ॥ ३॥ सीताराम के व्याह ॥ २॥
सुमो अदिमवानी देवी ॥ ॥ मिहचरत देवि गरजत आवे ॥ लालवो जो पयनि ॥ १॥ देविक आगे शिव
उम्क वजावे ॥ तीने लोक कियनि ॥ २॥
मोर पिया लडिका वाला जो गि ॥ ॥ जो गि वजावे अफने कनकन ॥ १॥ गुरहि वसो वेवाला जो गि ॥ १॥
जोगि विद्वा प्रहम गछाला ॥ ३॥ ४॥ लछुमन वाला जो गि ॥ २॥
राजीब जय ॥ ॥ गयासिसर सन विज्याक नारायण ॥ सिरसनाग या मरिण नम शत्रो सयापालि
गलमको आसे नया जुलसी या माता प्रभु ॥ १॥ हिहि द्रिया स्वता उने अति नुंदर दवाल जन्म
वचन जो से खचोन संखापम ॥ २॥ लक्ष्म्या विनती न दया दय माल प्रभु दंडन बो दरम विज्ञा
जीत नारायण ॥ नेपाल या छपनि श्री जयभास्कर मन्त्र चौखरा डराज्य लाय फरका वतारा
यन जु गया सी सरसन विज्याक ॥ ३॥
राग ॥ ॥ थाकुर मलो विराजो जी ॥ ॥ मे जग नाथ वा वा भलो विराजो जी ॥ १॥ कालाका
लाधिमारे छि उल्लेखे लोचो लि ॥ भावमन्त्र के मर मन जने बाके गर्धन मोर्ति ॥ १॥ सो ह हात की
सांरि रो वाकि लाल किताई ॥ समुर्बर्मु के लाजन मोर आधा गोंग उतार थाकुर ॥ २॥
उदिमा मागे पछि छि चारि ॥ कालि मागे भात ॥ साधु मागे दरसन माहापर सात ॥ ३॥ हिरति नम
दन कीरय मद्भि भोग लगाई ॥ पानमुपारि मुख मे दोर लाल दन्त चमकाइ ॥ ४॥ गाई गाई वा
घवगेचा गाई गाई फल बारी ॥ घुरघार ल्याष के रानि वल थार घार थाकुर धारि ॥ ५॥
राग ॥ ॥ ॥ सीव घने घने धुंगु वाजय मनि माने हासि बोले ॥ १॥ रंगतु हे माता बोके से
नाचत काबहि मम मोलि ॥ १॥ २॥ वदेम हे श्वर वड मुख मागर चड माने कासाथ ॥ ३॥ दिमि
कि बिमि किड मरु वाजय नाचत येकर मोला ॥ २॥ ४॥ भुत वेताल तात्व कजावत नदी भिक्ष
गीत गावे ॥ १॥ सिद्धि सिधे स्वाकसु माला वाहन संकर मोला ॥ २॥ ३॥ मनय विद्यापति
मुन हो पार्वति वामिके नाम भुलाई ॥ ४॥ तोह लखामि जगत इश्वरि भुगति भुगति दाता ॥ ५॥

सुखमाला

सुखमाला

राग भव्याहारि ॥ ॥ करकरु नामहि देवि जननी देवी ॥ ध्रु ॥ नापि पदमम चितमति हिने मानस
मंगलहिने ॥ नृपदमनहि २ मुखरतिरमभरि चंच विषयविहिने ॥ १ ॥ वात्पापनेमवे तातभूले
नो जाने जप तपमाला ॥ तव यक्षिषमगत २ जो भनजोत विधभय ड खजोत ॥ २ ॥ वेदविधितविधिजननी
राधि पामर परवममानी ॥ गुरुसे वनपामनहि भावे सांया मनन अशानी ॥ ३ ॥ निंदकियो निमिओ
मरवीयो नाहकजनमगुमाया ॥ चरनसरणगति २ दासकहे में को देहचरनकि छाया ॥ ४ ॥ ॥

राग भव्याहारि ॥ ॥ मनमनेमथोरवल्हानारे पामा ॥ ध्रु ॥ भाग्यनशापन खडन का रजुलाडन छदि
तनुवनव्याडन ॥ थवके बोडापालिमजोडन विनति अतदि खंल्लाडन ॥ १ ॥ सुन्दर खडन जिमनुडन तो
लेते थवमेतडन ॥ मुदेस छेडन रसखडेडन दको करालस केडन ॥ २ ॥ विस्वासफोडा फयाथे स
डन दोड जाको जीनफेडन ॥ मनन तुंडन मुघन चोडन रसयावमस चोडन ॥ ३ ॥ लहाकल्ल दोडन मा
यानकेडन थोजरमस वाडन तमनमछिडन थथेतुडन विबेकन सोमेनगपाडन ॥ ४ ॥ ॥

राग भव्याहारि ॥ ॥ लोवगुमोवनेने गुमोव धर्मयाग्यान मनसतयगुमोव ॥ ध्रु ॥ जोगभजनपुरान
आदिन लोकनेने गुमोव ॥ थुगलिविनानमुधुथासंसारग्याननेने गुमोव ॥ १ ॥ धरमनोलतावपा
पसनुभलतप जमयाभेयकायासोव ॥ भावविनातभगतिमुधुमिस वैयकुण्ठनायगुमोव ॥ २ ॥
वालसतरुणाग्याठजुइव कालनचीयगुमोव ॥ भक्तनश्रीभगवानमनसतव चरणात्तायगुमोव ॥ ३ ॥

राग ॥ नट ॥ प्र ॥ फेरि २ जनमजमाये के आउना गंभिदेहिजरमक्याकरना ॥ ध्रु ॥ आसात्रीष्ठाकवडन
भारना अपनेकरनेलियसाधमाइचलना ॥ १ ॥ वेतावेटिकाहिसंगनीहचलना मुथियकलकडि
साधमाइचलना ॥ २ ॥ धरकापंछिपेनउडिचलना यहिसंसारमयसवकाना ॥ ३ ॥ पापपुपकेपा
रकरना ॥ जनमेके आगुलेखा भरना ॥ ४ ॥ जोजोभक्त निर्गुणागात्रना ॥ सरनके लारववरन पावना ॥ ५ ॥

राग वध्याहारि ॥ ॥ श्री ॥ श्रीनपरशुमेकालिजननी ॥ ध्रु ॥ श्रीभुवनतारनि श्रीनयन थकुराणि ॥ प
जितनको गतिदेनी ॥ १ ॥ श्रीलाविधुमहे सोर नृपदध्यानि चारुवेदतुववपानी ॥ २ ॥
श्रीभुवनव्यापित श्रीगुणाधारनि ॥ देवदेवीनुमाहराणि ॥ ३ ॥ हेमगिरिनिंदनीसेवक
पाणिनि ॥ इहजुननामिनि राणि ॥ ४ ॥

राग वध्याहारि ॥ ॥ वां ॥ मलुमनेमतेहीनामहेमधि ॥ ध्रु ॥ रानिगुणिसुमति श्रीभानवतआदिना ॥
मनतसेनेउनेपुणना ॥ १ ॥ धनजनजोभन सदानचानिब्रवना थवमखजुइवनिदाना ॥ २ ॥ निमिदि
यात्रादिन अदिकसायामभिभ ॥ दानपुंयवाहुयेतनान ॥ ३ ॥ सतलपापममन थुगजिब्रपथ
हेने ॥ धु धाईवनमयासमासा ॥ ४ ॥ तनमनयाव ध्यानजुपमेतथवतान ॥ लहाकल्लयावचननेनावा ॥

राग-वधवारि॥६॥ थथेसुतव्रजयारितउधवा॥धुं॥ ब्रसनीभुवनमणि-थथिदुधुकुकर
नि॥जिवचननयान-कुबुजावचिता॥१॥ निरसिणउनिरखाल-ब्रसयाव्यालजिघाल॥ब्रसया
नुगलदुधुकनेपरतित॥२॥ जिपनिअभार्गनीन-भजलपाचाती-हिन॥ अजुगतिडुखजुल
थथिदुधुधन॥३॥ गथेनध्वजीव हने-थुगलीडुखसुकने॥ नेऊनेमनतस्यब्रसयादुहिता॥४॥
थडुखमेहलपेन-सियनुमनमयव॥ विभुतिवकैथाफेनेकनेध्वचीरित॥५॥ हाकलया
वीनतिन-ब्रसचारासमति॥ विधितिसधिलमयायविपरित॥६॥

राग-कथाना॥७॥ नाथमरासिवहोयसहाय॥धुं॥ हमसारागतसरगयोहें-पापकरत
मवदेहोवहाय-गतिमतिपतिनुमहोब्रसहाय-अआरतहें-मुहयमदोहय॥१॥ निमिक
एकमुहदेखकदोह-देवस्याकरनयनद्युमाय-जयपरकामनिपतिवह्विने-पदयंकजने
भक्तवनाये॥२॥

राग-वैहंगल॥८॥ भवनिधिचरनसरनसदान॥धुं॥ थुगलिसंसारस-कपभयजुल-धरमविवे
कसयाक॥ मोहपावसजुसे-अतिनभुलत्वप-पापयाभयेनमग्पाक॥१॥ थुगलिबारासजय
तपात्रोतल-सलिलअनिमयनावो॥ पलेलालयफुतिथुगलिजिउति-मचेनिथिरनस
दान॥२॥ सुमतिकुमदिनिदेविनभजलपु-मुगतिभजनखडगवो॥ अनाथजनपनिसरनमेवमदु-
धिदुलविनानमहाये॥३॥

राग-वहसाया॥९॥ उडुवविजितहीतउपदेस॥॥ ओसयामिनेहगुन-गुलिमोरुमनेजिन-म
भालपाजईवोविदिस॥१॥ लिमसोसओसवस-जुमेचोनाथास-दोलरलविवेकयारस
॥२॥ रसतिवचनलोम-गुलसितलयासे-विसेहलजोगयामेदेस॥३॥ फेनिओमुनानथ
क-थुगलिडुखयापाम-दतदुलधैजनआस॥४॥ हाकलयाथुलिमतिभगातनलायगाति-
यड-जितकानुवादेस-उडुवविओजित॥५॥

राग॥ काफि॥ गइयेगणपतिजगवंदन-सेकरबुत्ररभवातिनदन॥१॥ मि
त्रिसरतगजवदनविनायक॥ विद्यावारियवुधिविदाता॥१॥ मोदकपियाभु
जमंगलदाता॥ कृपासिंधुसोभासुभदायक॥२॥ मचकतुलसिदामकरजोरे
कमहिरामसियामातममोदक॥३॥

॥

॥

॥

॥

राग-
स्या
राग
मंसा
बिडु
तात
कोर
राज
मथ
अभि
राग-
पुर्ज
धल
नको
पार
प्या
या
थसि
एकल
काकु
चरनप
राग-ता
उपापि
नमो
धारनी

राम-काफि ॥ च ॥ मथुरामहरसकिष्काकभालपाण्नीकेडा ॥ ध्रु ॥ सुन्दरसुगे
 म्यामरामबालसुगलमुजा मननमोहतयानपायलपातिसलदयका ॥ १ ॥
 राम-काफि ॥ वं ॥ कृष्णदुरसेलनमतिजात्रलातमेरहाङ्गआवगि ॥ ध्रु ॥ नक्षत्रपहम
 मंवासुमारचामवेदलेआया मोहिबदहमब्रह्माकोदिया ताहानदेखा होङ्ग नार्थामेर
 होङ्गकमहो ॥ १ ॥ वामनरुपहमवलीछलेशनातिनियगयोवमुधाडी ॥ बलिकोवाधीपा
 तातपथाया ताहानदेखा ॥ २ ॥ रामरुपहमशवरामोरदशमीरवीसभुजाडी ॥ भाविक्षेत
 कोराजतिलकदियाताहा ॥ ३ ॥ कृष्णरुपहमकेशपद्मोडवमुदेववदिहोडाया ॥ उग्रसेवको
 राजतिलकदियाताहा ॥ ४ ॥ कृष्णरुपहमगोवाचढायमकलविन्दावनजाया ॥ काबनाका
 मथनजोकियाताहा ॥ ५ ॥ बालरुपहममातिजोयायातिनिलोकदेखाया ॥ मुरदासप्रभु
 अभिगतलीया मोकोवादीनजाडी ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

राम-ओ ॥ ॥ मातापनिनमोदविनमोवापेधरि ॥ रघुलउतिकप्रलियातेजजुल
 पुरजया ॥ १ ॥ कृष्णकुराडलभिजितियानमिरसमतुकलया ॥ हलमेतिमाविकया
 धलधलधलकवनया ॥ १ ॥ ^{जलिस} कृष्णरुपहममयालजोभिताया ॥ नरसिंहन
 नकोवायाविज्याकरमतवसमोलसकवनतयागनमहीतकजया ॥ २ ॥ रवागष
 पामाजोडावडस्वरुथाडनफतकलगनलयरिया ॥ अभयवरविया ॥ हसन
 प्यावनहुया मोलपुमनसकरया ॥ ३ ॥ हायमफसहजया ॥ महिमाअपाल
 या ॥ अनन्तगणोहसया ॥ अतगदोनक्षमाया हुनेश्रीमाहामाया ॥ हाकहअना
 थसिया ॥ मातारानी ॥ ४ ॥

एकललित ॥ पद्मकररघुनाथप्रभुतममंखचक्रगदाधर ॥ ध्रु ॥ मोरमुकरमिरय
 काकुराडला ॥ अंगमाभितभुखनं ॥ १ ॥ कमलनेत्रविमालसुन्दर श्रीपतीगदासन ॥ २ ॥
 चरनपंकजकरतसेवक ॥ मयप्रताथनिरंजन ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 राम-बलिस ॥ ॥ देविनमोराजदम्बिके ॥ ब्रह्मकोटिरविममिअमंद ॥ ध्रु ॥ सिवसर्गकगद
 उपायियेगिरिगनभूतलतालन ॥ १ ॥ उमजातिजाहाताहादेविकेविधिविधर
 नं ॥ २ ॥ देविहमातुवागभगाविये ॥ अमृतकेलिदमसंस्तनन ॥ ३ ॥ देविहमातु
 धारनी ॥ जगदीशमधुनवसरन ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥

विद्यमानगुण

रामविमालः॥ ॥ अफा ॥ इत्यरिभुजे शिरमाता कर्त्तव्यमिषान् मोक्ष-अनाथसियावः॥ कुं
चङ्कीरनति-द्विरपयातेजोति ॥ मोलमालामित्तुति-चरिडभभवतिः॥ १॥ पायमुपदिष्ट
गति-दानथात्मजिविति ॥ वीषमतदुःखत्रति-द्विरनसगतिः॥ २॥ महिकनिधनत्रति-संहृ
पायोडनमति ॥ ममितकदिनत्रति-लपंतपिवभगवतिः॥ ३॥ गगनसमदुद्धिति-सदाशिववा
दीप्तिरति ॥ ल्लाफल्लयानिरगति-शम्भायाप्रमुग्धतिः॥ ४॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
रामवस्त्रादिः॥ ॥ इत्यदि

रामपस्त्रादिः॥ ॥ स्वरिविधानायाश्चतुष्टयव्याख्याः॥ ॥ तत्परसीमासमिमावोसामत्ता
गुमिफमिवाउनागुविचाममप्रः॥ ॥ गुविहिनिवालयतोनेदुमत्रालः॥ ॥ दकोवधमुनात्रल
ममुदरसारः॥ ॥ राजानिगुनिपंरडीतपनि-तिरिअमयानी॥ ॥ लालोवलाअनारियातिरिजम
यमी॥ ॥ ३॥ थोसंसाएप्रयवातअतिगत्रजालः॥ ॥ थमथममात्तपाथेमजुलेसंसाट॥ ४॥ ॥

[illegible][illegible]



[illegible]

श्रद्धा निवदधिदेवकान्तनाम ॥ श्रीरंघुमन्त्रादिभिर्विक्रमाधिक
शांतं कुरुषुधर्मं दीपय ॥ १० ॥ कर्मादर्थिदं जयना
भुजयुद्धं स्वदं जयनां देवकान्तनाम ॥ ११ ॥

रागनिर्गुण ॥ ॥ अवक्या जगमे भूलि रहै दल से दल समुगता ॥ धू ॥ या
औ सर ॥ भुलि जागा चौ रासी पर फीरे गा ॥ निमिष निमिष गुं धाम सुम
र ता फे रिजन मना दि पावे गा ॥ १ ॥ मिर पर तेरा काल खडा है छोड़न पल स
न वेला ॥ पाचत तस्य जन रा र हिके पक रे काल अकेला ॥ २ ॥ येक मिले का
ल मि ते गा पर मात्मा सो भेला ॥ अभ या नन्दन कहै सुन सा धुमक मे रहना
जरागा ॥ ३ ॥

रागनिर्गुण ॥ ॥ माया मै ब्रह्म देख जहें सुन हो चित्र लगाइ के ॥ की ॥ पुंन पा
प जो विज जहें विषय वासना जग भई ॥ तिरगुन की नागव नीहें पान भूत
की साखा है ॥ १ ॥ जाहामे पाचारानि कला है सदा दिन का उत्पन्ना ॥ इस
इलीका इस साखा है कपरास आदितिन का छिद्रा है ॥ २ ॥ सुख दुख
रूप फले लगा है जीव वंश की साखा है ॥ ऐसे छे अज पतर हयै लेख
भुवन सवदा ॥ ३ ॥ दुख सुख रूपी फल लग्यो है सहकृत दुख नया
॥ कारी जने दुख फल खाई सुख फल से जने पाई ॥ ४ ॥ अभ या नन्द की
बही निसानी गुरु से ब्रा के दोरे ॥ इन शक्षन का मरम जो पावे आफै आ
फ समावे ॥ ५ ॥

रागभैरव ॥ ॥ अवक्या सो वे जा गो म न मे ही सुमरत को वेला ॥ की ॥
औ से औ सर भुलि जागा वहुत खागा फेरा ॥ चेत चेत ही नाम सुम
र ले सत गुं हो गा तेरा ॥ १ ॥ मिर पर तेरा काल खडा है इस्का कर
जुन वेला ॥ रंग भूमि सब वि सरत जागा जंझल हो गा दे रा ॥ २ ॥ अं
तर तेरा पाच खडा है अपतो चेत न वेला ॥ कह्यै कवी सुना
भाइ खावै यह घाते रा न मे रा ॥ ३ ॥